आराधना | सावन के प्रथम सोमवार पर जगह-जगह गूंजेंगे भगवान भोलेनाथ के जयकारे, होंगे विविध आयोजन

शिवालयों में जलाभिषेक के लिए उमड़ेंगे श्रद्धालु

सिहोरा, नवभारत। आज सावन मास पहले सोमवार के अवसर पर गोसलपुर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ेगी।

प्रख्यात कथा वाचक पंडित आकर्षण महाराज ने बताया की ऐसी मान्यता है की भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना आराधना करने का सबसे पावन पवित्र श्रावण मास माना जाता है। इस महीने में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना का विशेष महत्व है सच्चे मन से की गई विशेष पूजा आराधना से मनोकामना पूरी होती है।

इन मंदिरों पर पहुंचेंगे भक्त

आज सुबह से भगवान भोलेनाथ के मंदिरों में भक्त जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग और सफेद फूल अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। इस मौके पर नगर के शिवालय शिवघाट मंदिर, राममंदिर, बड़ी खेरमाता मंदिर, शनि मंदिर, सूर्य मंदिर, बावली महाकाली मंदिर, दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, राधाकृष्ण कुटी मंदिर, शंकर कॉलोनी स्थित शिवमंदिर, रेलवे स्टेशन गोसलपुर स्थित परमहंस स्वामी शिवदत धाम में शिव भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलेगी।

होंगे विविध धार्मिक आयोजन

भक्तगण भगवान भोलेनाथ का व्रत भी धारण करते हैं। व्रतधारी महिलाएं भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन होकर जहां अनेक प्रकार से अपनी मनोकामनाएं पूर्ति करने हेतु भोलेनाथ की पूजा अर्चन करेगी वहीं मंदिरों व सार्वजनिक धार्मिक स्थलों के साथ लोगों के घरों में भी पार्थिव शिवलिंग निर्माण रुद्राभिषेक अखंड मानस पाठ हवन पूजन के कार्यक्रम संपन्न होंगे।

बांझपन शिविर में हुआ 211 पशुओं का उपचार

डिंडौरी, नवभारत। मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों में पशुओं के स्वास्थ्य संवर्धन एवं उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से बाँझपन निवारण शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में पशुओं का उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान सहित विभिन्न पशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पशु औषधालय शाहपुर अंतर्गत ग्राम मिघरोड़ी (विकासखंड डिंडौरी), पशु औषधालय बोंदर अंतर्गत ग्राम उफरी (विकासखंड बजाग), पशु औषधालय समनापुर अंतर्गत ग्राम कमरासोंढा (विकासखंड अमरपुर) तथा पशु चिकित्सालय करंजिया अंतर्गत ग्राम मेढ़ाखार (विकासखंड करंजिया) में शिविर लगाए गए। शिविरों के दौरान 211 पशुओं का उपचार किया गया।

जिला बनाने पुनर्गठन आयोग से मिलेंगे सिहोरावासी

बैठक में बनी रणनीति

सिहोरा, नवभारत। सिहोरा विधायक तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से सिहोरा जिला बनाए जाने संबंधी समर्थन पत्र लेकर सिहोरा वासी सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े के नेतृत्व में मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग से मिलकर सिहोरा जिला का अपना दावा प्रस्तुत करेंगे। ऐसा निर्णय लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति की रविवार को सिहोरा में आयोजित हुई बैठक में लिया गया।

विदित हो कि इससे पूर्व पिछले साल 26 दिसंबर को सिहोरा जिला के लिए आंदोलित सिहोरा वासियों को लेकर सिहोरा विधायक मुख्यमंत्री से भोपाल में मिले थे। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने सिहोरा वासियों द्वारा प्रेषित ज्ञापन को परीक्षण के लिए राजस्व विभाग को प्रेषित कर दिया। चूंकि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया है इसलिए राजस्व विभाग ने इस पूरे मामले को पुनर्गठन आयोग को प्रेषित करते हुए सिहोरा जिला के ज्ञापन का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में ये रहे मौजूद

इस बैठक में समिति के राजेश दाहिया,बिहारी पटेल,संतोष वर्मा, नितेश खरया, जितेंद्र श्रीवास, अभिषेक जैन, आनंद प्रकाश जैन, संतोष पांडे, प्रदीप दुबे, राकेश पाठक, संतोष पांडे, सुशील काछी,कृष्ण कुमार कुरिया, रमेश पटेल, सुशील जैन, गुड्डू कटैहा आदि उपस्थित थे।

ब्राह्मण एकता संगठन पनागर की कार्यकारिणी भंग

अगले सप्ताह होगी संगठन के नए पदाधिकारियों की घोषणा

पनागर, नवभारत। ब्राह्मण एकता संगठन पनागर की बैठक परशुराम मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों एवं समाज के वरिष्ठजनों ने उपस्थित होकर संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर विचार-विमर्श किया।

इस मौके पर सर्वसम्मति से वर्तमान कार्यकारिणी को भंग करने का निर्णय लिया। साथ ही यह भी तय किया कि आगामी सप्ताह समाज के सभी सदस्यों की सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सर्वसम्मति से संपन्न कराने पर सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, सामाजिक एकता, युवा सहभागिता तथा समाजहित के विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

कृषि उपज मंडी पनागर में नियमित योगाभ्यास जारी

14 वर्षों से अनवरत जारी है ध्यान एवं योग साधना का सिलसिला

पनागर, नवभारत। मां नर्मदा साधक मंडल योग समिति, पनागर द्वारा कृषि उपज मंडी परिसर में पिछले 14 वर्षों से निरंतर योगाभ्यास कराया जा रहा है। समिति के सदस्य योगा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में एकत्र होकर विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कर रहे हैं।

समिति का उद्देश्य लोगों को योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाना है। सदस्यों ने बताया कि इस नियमित योगाभ्यास से जहां लोगों की दिनचर्या बेहतर हुई है,

वहीं अनेक लोगों ने तनाव, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से राहत मिलने का अनुभव भी साझा किया है।

योगा सदस्यों ने बताया कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की एक श्रेष्ठ जीवनशैली है। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालने और अपने परिवार एवं समाज को भी योग से जोड़ने का आह्वान किया। समिति के सदस्यों का कहना है कि 14 वर्षों से बिना किसी व्यवधान के लगातार योगाभ्यास का यह क्रम क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है। प्रतिदिन सुबह आयोजित होने वाले इस योग सत्र में विभिन्न आयु वर्ग के लोग उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

दो बाइक सवार युवकों की भिड़ंत, दोनों घायल

उमरिया, नवभारत। जिले के इंदवार थाना अंतर्गत अमरपुर चौकी क्षेत्र में मानपुर-बरही मार्ग स्थित पड़वार मोड़ के पास ग्राम चिल्हारी में रविवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अमरपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए दोनों को बरही अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार घायल युवकों की पहचान दादूराम चौधरी और रवि नापित के रूप में हुई है। दोनों अलग-अलग बाइक से जा रहे थे, तभी पड़वार मोड़ के पास आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीण ने बताया कि पड़वार मोड़ लंबे समय से दुर्घटना संभावित क्षेत्र बना हुआ है। यहां तीखा मोड़ होने के बावजूद पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं हैं। केवल सांकेतिक बोर्ड लगाए गए हैं, जबकि स्पीड ब्रेकर, रंबल स्ट्रिप, चेतावनी संकेत और अन्य सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है। उन्होंने जिला प्रशासन से इस स्थान पर शीघ्र प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

ऑक्सीजन की कमी से हुई मौत पर भड़की एनएसयूआई

स्वास्थ्य मंत्री का पुतला दहन करने पहुंचे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोका

डिंडौरी, नवभारत। मंडला जिले में कथित रूप से ऑक्सीजन की कमी के चलते एम्बुलेंस में 21 वर्षीय युवक की मौत की घटना को लेकर रविवार को जिला मुख्यालय स्थित रानी अवन्ति बाई चौक पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल का पुतला दहन करने का प्रयास किया।

जिला अध्यक्ष प्रियांशु कृष्णा परस्ते के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने पुतला दहन रोकने के लिए कार्यकर्ताओं को समझाइश दी और उन्हें रोकने

का प्रयास किया।

माता पिता के सामने एम्बुलेंस में तोड़ा दम

प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए 'मोहन सरकार होश में आओ' के नारे लगाए। कार्यकर्ताओं का कहना था कि मंडला जिले में ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं होने के कारण एक 21 वर्षीय युवक ने अपने माता-पिता की आंखों के सामने एम्बुलेंस में तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया, जो प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाता है।

अस्पतालों में सुविधाओं की कमी

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष प्रियांशु कृष्णा परस्ते ने आरोप लगाया कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं और अस्पतालों में आवश्यक सुविधाओं के अभाव में लोगों की जान जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि गरीबों की मौत पर भाजपा सरकार पूरी तरह मौन है। मंडला की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई संवेदनशील प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, जिससे जनता की भावनाएं आहत हुई हैं।

हिंदू राष्ट्र और गौ को राष्ट्रीय माता घोषित करने का लिया संकल्प

बागेश्वरधाम तक करेंगे पैदल पद यात्रा

चिल्हारी, नवभारत। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के विकासखंड कटघोरा अंतर्गत ग्राम देवकिरारी निवासी किशन कश्यप हिंदू राष्ट्र की स्थापना और गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित किए जाने का संदेश लेकर पैदल यात्रा पर निकले हैं।

उनकी यह पदयात्रा मध्य प्रदेश स्थित बागेश्वर धाम तक जारी है। शनिवार को उनकी पदयात्रा का 13वां दिन रहा। अब तक वे

लगभग 6 सौ किलोमीटर की दूरी तय करके बागेश्वर धाम पहुंचेंगे।

शनिवार को उन्होंने उमरिया जिले के मानपुर क्षेत्र ग्राम चिल्हारी स्थित प्राचीन हनुमान पहाड़ी मंदिर, चिल्हारी में विश्राम किया। यहां स्थानीय समाजसेवियों द्वारा उनके लिए भोजन एवं पेयजल की व्यवस्था की गई और उनका स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान किशन कश्यप ने बताया कि उनका उद्देश्य समाज में सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता फैलाना, हिंदू राष्ट्र के समर्थन का संदेश देना तथा गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित किए जाने की मांग को जन-जन तक पहुंचाना है।

मत्स्य विभाग की कार्रवाई, बाजार से 91 किलो मछली जब्त

डिंडौरी, नवभारत। मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम, 1972 की धारा 3(2) के तहत 16 जून से 15 अगस्त तक घोषित बंद ऋतु के दौरान मत्स्याखेट, मछली विक्रय एवं परिवहन पर लगाए गए प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित कराने के लिए मत्स्य विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है।

शुक्रवार को सहायक संचालक मत्स्योद्योग एल.एस. शैयाम के नेतृत्व में गठित संयुक्त दल ने समनापुर एवं डिंडौरी के मछली बाजारों का औचक निरीक्षण किया। टीम में सहायक मत्स्य अधिकारी विशाल शरणागत, मत्स्य निरीक्षक बी.के. सिरसाम, सहायक ग्रेड-3 जयप्रकाश धुर्वे तथा चौकीदार दशरथ प्रसाद वरकड़े शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान समनापुर मछली बाजार से 25 किलोग्राम भारतीय प्रमुख कार्प एवं 52 किलोग्राम थाई मांगूर तथा डिंडौरी मछली बाजार से 14 किलोग्राम भारतीय प्रमुख कार्प मछली जब्त की गई। इस प्रकार कुल 91 किलोग्राम मछली जब्त कर नियमानुसार उसका विनिष्टीकरण एवं नीलामी की गई। नीलामी से प्राप्त 3 हजार रुपये की राशि शासन के खाते में जमा कराई गई।

आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से विकास को मिलेगी नई दिशा

सांसद कुलस्ते ने किया करंजिया महाविद्यालय व आईटीआई का शुभारंभ

डिंडौरी, नवभारत। मंडला-डिंडौरी संसदीय क्षेत्र के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने रविवार को जिले के करंजिया एवं बजाग क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय महाविद्यालय करंजिया का शुभारंभ करने के साथ आईटीआई बजाग की प्रवेश प्रक्रिया का भी शुभारंभ किया। इसके अलावा सड़क एवं सेतु निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर सांसद श्री कुलस्ते एवं अन्य जनप्रतिनिधियों

ने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास तथा सड़क एवं पुल जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने युवाओं से शिक्षा एवं कौशल प्रशिक्षण का लाभ उठाने का आह्वान किया।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में विधायक ओमकार मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते, भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, अनुसूचित जनजाति युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष पंकज सिंह तेकाम, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षय डिगरसे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पानी का संकट | बारिश की कमी से धान की फसल सूखने की कगार पर, किसानों की बढ़ी चिंता

धान की रोपाई के बाद छाया बारिश के पानी का संकट

चिल्हारी, नवभारत। धान का कटोरा कहे जाने वाला उमरिया जिला इस वर्ष पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। विशेष रूप से मानपुर विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की चिंता लगातार दयनीय बढ़ती जा रही है।

मानपुर तहसील के चिल्हारी, अमरपुर, इंदवार, मानपुर, बिजौरी और बल्हौड़ सहित आसपास के अनेक गांवों में अब तक अपेक्षित वर्षा नहीं होने से धान की फसल प्रभावित होने लगी है। किसानों ने अपनी वर्षों की जमा-पूंजी खेती में लगा दी है, लेकिन बारिश नहीं होने से खेत सूख रहे हैं और धान की रोपाई व फसल के विकास पर संकट मंडरा रहा है।

फसूल सूखने की कगार पर

क्षेत्र में जिन किसानों के पास ट्यूबवेल, कुआं अथवा अन्य सिंचाई के साधन उपलब्ध हैं, उन्होंने किसी तरह धान की नर्सरी तैयार कर खेतों में रोपाई कर दी है। वहीं जिन किसानों के पास सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं है, उनके द्वारा बोई गई धान तथा रोपी गई फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई है। कई किसानों ने धान की नर्सरी तो तैयार कर ली है, लेकिन बारिश नहीं होने के कारण खेतों में रोपाई नहीं कर पा रहे हैं।

फसलों को होगा नुकसान

किसानों का कहना है कि यदि आने वाले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो फसल को भारी नुकसान हो सकता है, जिससे आर्थिक संकट और बढ़ जाएगा। किसानों ने शासन-प्रशासन से क्षेत्र की स्थिति का सर्वे कराने, सूखे की स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देने तथा आवश्यक राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। धान उत्पादन के लिए प्रसिद्ध उमरिया जिले में बारिश की कमी ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। अब पूरे जिले के किसानों की निगाहें मानसून की अगली बारिश पर टिकी हुई हैं।